को जो क्षेत्र के करीब 4 हजार 2 सौ किलोमीटर की बात थी उसको बढ़ाकर अब 6,300 किलोमीटर किया गया है और इसमें से 4,566 किलोमीटर काम पूरा हो चुका है।

MR. CHAIRMAN: The question is: Why have you not asked for World Bank aid? Is it needed? Just answer that question.

SHRI RAMESHWAR THAKUR: It has been sanctioned. The work is going on. The remaining work would be completed in about one-and-a-half years, Sir.

MR. CHAIRMAN: The question is: Why are you not asking for World Bank aid? Do you not need it?

SHRI RAMESHWAR THAKUR: We do not require it. (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Do you not require it?

SHRI RAMESHWAR THAKUR: No. The State Government had just asked for our comments. Since we were concerned with this, we had given our consent. We had given our consent long back. The work is going on. As far as the rural road projects are concerned, they are between the State Government and the World Bank. They are not with us. We are not monitoring them. But we are monitoring our projects very thoroughly and very effectively.

ब्लाक वर्ष 1990–93 के लिए "अवकाश यात्रा रियायत" (एल० टी० सी०) सुविधा की अवधि को बढ़ाया जाना

*24. **श्री कैलाश नारायण सारंग :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को चार वर्ष (1990–93) की ब्लाक अवधि के लिये भारत भ्रमण के लिये मिलने वाली "अवकाश यात्रा रियायत" सुविधा को दिसम्बर, 1994 तक बढ़ाया गया था ;

(ख) क्या वर्ष 1994 में देश में प्लेग महामारी के फैलने के कारण केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को इस सुविधा का लाभ उठाने में आई कठिनाइयों को मद्देनजर रखते हुये इस अवधि को बढ़ाये जाने के संबंध में सरकार को कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुये हैं ; और

(ग) क्या सरकार इसकी विधिमान्य अवधि को बढ़ाने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो इस संबंध में कब तक निर्णय ले लिया जायेगा ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (युवा कार्य और खेल विभाग) में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुकुल वासनिक) : (क) केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी यात्रा रियायत) नियमावली, 1988 के प्रावधानों के तहत यह प्रावधान है कि वह सरकारी कर्मचारी जो दो वर्ष अथवा चार वर्ष के ब्लाक विशेष के दौरान छुट्टी यात्रा रियायत की सुविधा का उपयोग नहीं करता है, वह ऐसी सुविधा का लाभ दो वर्ष अथवा चार वर्ष के अगले ब्लाक के प्रथम वर्ष में उठा सकता है। अतः ब्लाक वर्ष 1990–93 के संबंध में छुट्टी यात्रा रियायत की सुविधा का उपयोग वर्ष 1994 के अन्त तक किया जा सकता है।

(ख) तथा (ग) छुट्टी यात्रा रियायत ब्लाक वर्ष 1990–93 को दिसम्बर, 1994 के बाद बढ़ाए जाने के संबंध में कुछेक अभ्यावेदन प्राप्त हुये थे। तथापि, विभागों के पास उपलब्ध एक वर्ष की बढ़ाई हुई अवधि के प्रावधान को तथा इस बात को दृष्टि में रखते हुये कि प्लेग का भय केवल कुछेक खास क्षेत्रों में ही था और इस प्रकोप पर शीघ्र ही काबू पा लिया गया था, इस मामले अवधि को और आगे बढ़ाना आवश्यक नहीं समझा गया है।

श्री कैलाश नारायण सारंग : सभापति महोदय, केन्द्रीय कर्मचारी हमारे देश

सेवक है और 4 वर्ष में उनको यह अवसर मिलता है। इस बार प्लेग के कारण उन्होंने यह मांग की थी कि यह अवधि बढ़ा दी जाये, परन्तु यह अवधि बढ़ाने के लिये सरकार विचार नहीं कर रही है । मैं सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि 1986–1989 के ईयर में यह अवधि कितने समय बढ़ाई गई, जो कह रहे थे कि अवधि काफी है ? 1986–89 का जो पीरियड था उसमें कितने समय के लिये यह अवधि बढ़ाई गई और कौन-सा विशेष कारण था ? जबकि इस बार कर्मचारियों ने कहा है कि इस समय प्लेग थी और सारे देश में इसके कारण परेशानी थी, लोगों ने दो-दो महीने पहले से अपने रिजर्वेशन कराए थे और उस वक्त उन्होंने कैंसल किया था और कर्मचारी इस सुविधा को जब बच्चों की छुट्टी होती है तभी अवेल करते है, यह कौन सा कारण था कि 1986–89 में आपने अवधि बढ़ाई थी और बताइये कि कितनी बढ़ाई थी, यह मंत्री महोदय को मालूम है ?

SHRI MUKUL WASNIK: Sir, for the block years 1986-1989, the natural grace period of one year was to end by December, 1990. But during the period August-September, 1990, the Mandal agitation was there. Because of the Mandal agitation and the disturbances it had caused, the period was extended up to June, 1991; it was, approximately, six months. In between, Sir, in January, the Gulf crisis broke out. Though a six month extension was given, because of the Gulf crisis, the Leave Travel Concession could not be availed of by the Central Government employees. Therefore, the L.T.C. was suspended during the period 23rd January, 1991 31st March, 1991. In view of this suspension within the extended grace period, the time-limit by which the LTC could be availed of was extended by another three months, i.e. up to September, 1991. It was only because of the exceptional circumstances which were prevailing during that period that this extension was provided and, therefore, I don't think there is need for any more elaboration on that.

श्री कैलाश नारायण सारंग : सभापति महोदय, क्या प्लेग का जो कारण हैं वह एक्सेप्शनल नहीं है । यह मंत्री महोदय बतायेंगे । प्लेग ऐसा मामला था कि कर्मचारियों ने दो महीने पहले से रिजर्वेशन कराए थे, गुजरात और महाराष्ट्र जाना चाहते थे, नहीं गए । यह जो जून, 1995 तक की जो मांग की गई है, क्या इस पर विचार कर रहे है ?

MR. CHAIRMAN: He is answering your question.

SHRI MUKUL WASNIK: Sir, I have already replied to this particular query in the main reply itself, that the plague scare was in a limited area for a limited number of days and it was contained very quickly and, therefore, the Government did not feel it necessary to extend the period.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: That due to the Gulf crisis the Central Government employees did not travel and due to plague they did—this kind of argument won't help.

श्री कैलाश नारायण सारंग : प्रधान मंत्री महोदय बैठे हुए हैं । आप बतायें, छह महीने और बढाने में कौन सी तकलीफ होगी ? आपके कर्मचारी हैं । आप बढ़ा दीजिये, छह महीने के लिये । मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूं कि कर्मचारियों के लिए, ऑन बिहाफ आफ एम्पलाइज, कर दीजिये। इसमें कौन सी ऐसी तकलीफ की बात है।

डा० मुरली मनोहर जोशी : प्रधानमंत्री जी को इस अभ्यावेदन पर बहुत जल्दी निर्णय कर लेना चाहिये।

प्रधान मंत्री (श्री पी.वी. नरसिंह राव) : पूरी गंभीरता के साथ सोचा जायेगा।

डा. मुरली मनोहर जोशी : नहीं, नहीं। इस पर निर्णय शीघ्रता से किया जाना चाहिये।

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: Sir, I would like to say that I will certainly go into this and see if there is anything that could be done. This is not an assurance. We will consider that.

श्री कैलाश नारायण सारंग : सभापति महोदय, मेरा दूसरा सप्लीमेंटरी है । . . . (व्यवधान) . . .

कु. सरोज खापर्डे : पहले धन्यवाद तो दे दीजिये।

श्री कैलाश नारायण सारंग : प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद दे रहा हूं। बहुत बहुत धन्यवाद सारे कर्मचारियों की ओर से। मेरा दूसरा सप्लीमेंटरी, जो बहुत इम्पोर्टेण्ट है। . . . . (व्यवधान) . . . . ऐसा है कि जो सुविधा दी जाती है, वह जिस उद्देश्य से दी जाती है, वह पूरा हो रहा है ? महंगाई बढ़ गई है और सुविधा जो दी गई है, उसमें कर्मचारियों को कितनी सुविधा उपलब्ध है ? कितनों ने इसको अवेल किया ? यह कोई आंकड़े आप बता सकते हैं ? अगर कम ने अवेल किया, तो उसका कारण यह है कि जो सुविधा दी जाती है वह एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन के किराए की दी जाती है । यह तकलीफ है। दूसरी बात यह है कि उनके ठहरने के लिए "होलीडे होम" होने चाहिये । क्या इस सब बातों पर सरकार विचार कर रही है कि इस तरह से कर्मचारियों को सुविधा दी जाए, ताकि वह ठीक से इस सुविधा को अवेल कर सकें, उसका लाभ उठा सकें ? यह मेरी ऐसी मांग है।

SHRI MUKUL WASNIK: Sir, the House may be aware that the Fifth Central Pay Commission has been appointed and, apart from other terms of reference it has also been asked to go into and evolve the principles which should govern the structure of emoluments and other conditions of service of the Central Government employees which have a financial bearing, to examine the present structure of emoluments and conditions of service of the various categories of Government employees, taking into account the total packet of benefits available to them and suggest changes therein, which may be desirable and feasible. The suggestion which the hon. Member has just made will be referred to the Pay Commission, and only after the report is received can the Government consider it.

श्री जलालुद्दीन अंसारी : सभापति महोदय, मेरा प्रश्न यही है कि कर्मचारियों को जो टूर करने के लिये सुविधाएं दी गई हैं, वह सही है और प्रधान मंत्री ने जो आश्वासन दिया कि इस पर विचार किया जायेगा, ठीक है । मगर रेलवे के जो कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं, उनको भी इस तरह की सुविधाएं मिलनी चाहियें, वह नहीं है । जब सबको आप देते हैं तो जीवन भर जिसने रेलवे की सेवा की और रिटायर हो गया है तो ऐसे रेलवे कर्मचारी को भी यह टूर की सुविधा मिलनी चाहिये । हमारी यही मांग है आपके माध्यम से।

†[شری جلال الدین انصاری: سبھاپتی مہودے۔ میرا پرشن یہی ہے کہ کرمچاریوں کو جو ٹور کرنے کے لئے سویدھائیں دی گئی ہیں وہ صحیح ہے اور پردھان منتری نے جو آشواسن دیا کہ اس پر وچار کیا جائے گا۔ ٹھیک ہے۔ مگر ریلوے کے جو کرمچاری ریٹائر ہو چکے ہیں ان کو جو اس طرح کی سویدھائیں ملنی چاہیئے۔ وہ نہیں ہیں۔ جب سب کو آپ دیتے ہیں تو جیون بھر جس نے ریلوے کی سیوا کی اور ریٹائر ہو گیا ہے تو ایسے ریلوے کرمچاری کو بھی ٹور کی سویدھائیں ملنی چاہیئے۔ ہماری یہی مانگ ہے آپ کے مادھیم سے۔]

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

†[] Transliteration in Arabic Script.